



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

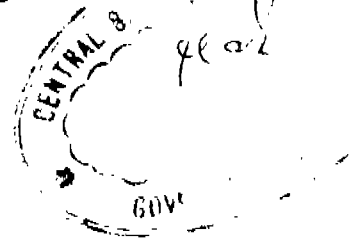
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 772]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 19, 2001/आश्विन 27, 1923

No. 772]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 19, 2001/ASVINA 27, 1923

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2001

New Delhi, the 19th October, 2001

**का.आ. 1054(अ).—**विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्धारित करने के लिए क्या आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स और नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा को विधिविरुद्ध संगम घोषित करने के पर्याप्त कारण हैं अथवा नहीं, एतद्वारा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एस. के. महाजन की अध्यक्षता में एक 'विधिविरुद्ध कार्यकलाप (निवारण) अधिकरण' का गठन करती है।

**S.O. 1054(E).—** In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes "The Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice S.K. Mahajan, Judge of Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause of declaring the All Tripura Tiger Force and National Liberation Front of Tripura, as unlawful associations.

[फा.सं. 9/8/2001-एन.ई.-1]

सुरेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव (एन.ई.)

[F. No. 9/8/2001-N.E.]

SURENDRA KUMAR, Jt. Secy. (N.E.)

